पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय
भारत सरकार

महत्वपूर्ण घटनाक्रम का सारांश- फरवरी, 2024

1. **माह के दौरान लिए गए महत्वपूर्ण नीतिगत निर्णय और प्रमुख उपलब्धियां**:
अनुलग्नक-I में दी गई हैं।
2. **व्यापक अंतर मंत्रालयी विचार-विमर्श/विलंब आदि के कारण रुके हुए महत्वपूर्ण नीतिगत मामले आदि**:
शून्य।
3. **मंत्रालय में तीन महीने से अधिक समय से लंबित "अभियोजन के लिए स्वीकृति" के मामले**:
शून्य।
4. **ऐसे मामलों का विवरण जिसमें सरकार के कार्य व्यवहार या स्थापित नीति में छूट दी गयी है**:
शून्य
5. **चालू स्वच्छता अभियान की स्थिति (विशेष अभियान के तहत प्रगति):**
विशेष अभियान 3.0 के एक भाग के रूप में, पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय और इसके संस्थानों में फरवरी 2024 के महीने के दौरान स्वच्छता अभियान के तहत विभिन्न गतिविधियाँ की गईं।
6. **स्वायत्त निकायों के पुनर्गठन की स्थिति:**
मंत्रिमंडल ने दिनांक 13 जुलाई, 2022 को हुई अपनी बैठक में पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय के अधीन 5 स्वायत्तशासी निकायों का एक स्वायत्तशासी निकाय में विलय करने के लिए अपना अनुमोदन दे दिया। 26 दिसंबर, 2023 को पृथ्वी प्रणाली विज्ञान परिषद के संगम ज्ञापन तथा नियम-विनियम के साथ राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र, दिल्ली की सरकार के तहत सोसायटी के रजिस्ट्रार के कार्यालय में अम्ब्रेला स्वायत्तशासी सोसायटी 'पृथ्वी प्रणाली विज्ञान परिषद' का पंजीकरण कर दिया गया है।
7. **प्रशासन और विकास में अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी आधारित उपकरणों और अनुप्रयोगों के उपयोग के लिए मंत्रालय द्वारा किए गए विशिष्ट उपायों के संबंध में सूचना:**
समुद्र की सतह का तापमान और क्लोरोफिल जैसे उपग्रह से प्राप्त किए गए मापदंडों का उपयोग करके मछली पकड़ने के संभावित क्षेत्र की परामर्शिकाएं जारी की जाती हैं। इसके अलावा, अल्पावधि और मध्यम अवधि के मौसम का पूर्वानुमान लगाने के लिए ग्लोबल सैटेलाइट के डेटा का सतत रूप से उपयोग किया जाता है।
8. **स्वायत्त निकायों/सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों सहित मंत्रालय/विभाग में वरिष्ठ स्तर की नियुक्तियों की रिक्ति की स्थिति:**
इस बात की पुष्टि की जाती है कि मंत्रालय/विभाग और उसके संगठनों के मंत्रिमंडल की नियुक्ति संबंधी समिति (एसीसी) के दायरे में आने वाले सभी पदों का ब्यौरा एसीसी रिक्ति निगरानी प्रणाली (एवीएमएस) पर अद्यतन किया गया है और इसका ब्यौरा **अनुलग्नक-II** में दिया गया है।
9. **ऐसे मामलों की सूची जिनमें मंत्रिमंडल की नियुक्ति संबंधी समिति के निर्देशों का अनुपालन नहीं किया गया है**:
इस बात की पुष्टि की जाती है कि मंत्रिमंडल की नियुक्ति संबंधी समिति के निर्देशों का अनुपालन किया गया है।
10. **माह के दौरान पास कर दिए गए विदेशी प्रत्यक्ष निवेश (एफडीआई) प्रस्तावों का विवरण तथा मंत्रालय/विभाग में अनुमोदन हेतु प्रतीक्षारत एफडीआई प्रस्तावों की स्थिति** :
लागू नहीं।

****

अनुलग्नक-I

लिए गए महत्वपूर्ण नीतिगत निर्णय और प्रमुख उपलब्धियां:

- पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय द्वारा वित्तपोषित तीसरी पीढ़ी का मौसम विज्ञान उपग्रह INSAT-3DS 17 फरवरी 2024 को भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (ISRO) द्वारा सफलतापूर्वक लॉन्च किया गया। INSAT-3DS देश की मौसम विज्ञान संबंधी (मौसम, जलवायु और महासागर संबंधी) सेवाओं को वर्तमान में प्रचानलरत INSAT-3D और INSAT-3DR इन-ऑर्बिट उपग्रहों के साथ बढ़ावा देगा।
- माननीय पृथ्वी विज्ञान मंत्री जी ने 28 फरवरी 2024 को मौसम विज्ञान वेधशाला, पश्चिम बंगाल के शिलान्यास और भूमि पूजन समारोह की अध्यक्षता की।
- आईएमडी ने 11 हेलीपोर्टों पर H-AWOS स्थापित कर चालू किये, जिनका उद्घाटन 25 फरवरी 2024 को ईटानगर अरुणाचल प्रदेश में माननीय पृथ्वी विज्ञान मंत्री जी द्वारा किया गया।
- माननीय पृथ्वी विज्ञान मंत्री जी ने 23 फरवरी 2024 को लैंसडाउन, उत्तराखंड में डॉप्लर मौसम रडार का उद्घाटन किया।
- माननीय पृथ्वी विज्ञान मंत्री जी ने INCOIS की अपनी यात्रा के दौरान 14 फरवरी, 2024 को 'सिनर्जिस्टिक ओशन ऑब्जर्वेशन प्रीडिक्शन सर्विसेज (SynOPS)' सुविधा, जो 'जीवन और महासागर' विषय को दर्शाने वाली एक 'भित्तिचित्र' है का उद्घाटन किया तथा GNSS और SMA नेटवर्क की 'वंदूर साइट' का वर्चुअल उद्घाटन किया।
- INCOIS ने 03 फरवरी, 2024 को विज्ञान-समुदाय-राष्ट्र के लिए अपनी 25 वर्ष की सेवा पूरी की और अपनी रजत जयंती मनाई।
- पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय ने भारत में फ्रांस और कोस्टा रिका के दूतावासों के साथ साझेदारी में पहली 'ब्लू टॉक्स' बैठक की मेजबानी की। सरकारी, शिक्षा जगत और अनुसंधान संस्थानों के 50 से अधिक प्रतिभागी 'महासागर स्वास्थ्य और नशासन' से संबंधित मामलों पर व्यक्तिगत रूप से उच्च स्तरीय विचार-विमर्श के साक्षी रहे।
- NCCR ने पर्यावरण और जलवायु परिवर्तन विभाग, तमिलनाडु सरकार सौंपी गई "तमिलनाडु तट में पर्यावरण-अनुकूल तकनीकों के माध्यम से तटीय बायोशील्डों के पुनर्वास" संबंधी परियोजना पूरी की।
- अमृत काल (2047) के लिए पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय का दृष्टिकोण और मिशन तैयार करने के लिए मौसम और जलवायु विज्ञान और सेवाओं से संबंधित विषयों पर चर्चा करने के लिए 12-14 फरवरी 2024 के दौरान आईआईटीएम में एक विचार-मंथन कार्यशाला आयोजित की गई थी।
- शीतकालीन कोहरा अभियान WiFEX (2023-24) नवंबर 2023 के पहले सप्ताह से 15 फरवरी 2024 के दौरान सफलतापूर्वक आयोजित किया गया। WiFEX23-24 के एक भाग के रूप में आईएमडी मुख्यालय में अत्याधुनिक एयरोसोल प्रयोगशाला स्थापित की गई।
- पूरे देश में शीत ऋतु-2024 के लिए 26.8 मिमी वर्षा दर्ज की गई है, जो इसके दीर्घावधि औसत (एलपीए) 39.8 मिमी का 67% है।

निर्णय/अनुमोदन की आवश्यकता वाला कोई भी मामला मंत्रिमंडल के समक्ष लंबित नहीं था।

<u>न्यूनतम सरकार, अधिकतम शासन;</u>

- किसान पोर्टल और सरकारी निजी सहभागिता मोड के माध्यम से देश में एस.एम.एस और आईवीआर प्रौद्योगिकी के जरिए प्रयोक्ता समुदायों के लिए एग्रोमेट परामर्शिकाओं का प्रसारण जारी है। वर्तमान में, देश में लगभग 7.6 मिलियन किसान सीधे ही परामर्शिकांए प्राप्त कर रहे हैं।
- राज्य सरकार के अधिकारियों/ आपदा संबंधी अधिकारियों/केंद्र सरकार के संगठनों/जन सामान्य को मोबाइल के माध्यम से प्रतिकूल मौसम के बारे में एसएमएस से चेतावनियां भेजी जा रही हैं।
- राज्य प्राधिकरणों, इलेक्ट्रॉनिक और प्रिंट मीडिया सहित सभी प्रयोक्ताओं को ईमेल के माध्यम से कई शहरों के लिए चेतावनी और शहर पूर्वानुमान के साथ-साथ दैनिक पूर्वानुमान प्रसारित किये जाते हैं।

वायु मंडलीय प्रेक्षण प्रणाली नेटवर्क

प्रेक्षण का प्रकार	अब तक चालू किए गए	महीने के दौरान स्थापित।	डेटा रिपोर्टिंग।
स्वचालित मौसम स्टेशन (AWS)	*473	--	473
स्वचालित वर्षा मापक (ARG)	**456	--	456
एग्रो एडब्ल्यूएस	200	--	184
ग्लोबल पोजिशनिंग सिस्टम (जीपीएस) सोंडे आधारित रेडियो सोंडे (आरएस)/रेडियो विंड (आरडब्ल्यू) स्टेशन	56	--	56
डॉपलर मौसम रडार	***41	--	30
ओजोन (ओजोन सोंदे+कुल ओजोन)	02	--	02
सतह ओजोन (विद्युत-रासायनिक सांद्रता सेल विधि)	09	--	06
नेफेलोमीटर	12	--	09
स्काई रेडियोमीटर	20	--	13
ब्लैक कार्बन मॉनिटरिंग सिस्टम (अथैलोमीटर)	25	--	23
वायु गुणवत्ता निगरानी प्रणाली (सिस्टम ऑफ एयर क्वालिटी एंड वेदर फोरकास्टिंग एंड रिसर्च) (सफर)	10 (दिल्ली) 10 (मुंबई) 10 (अहमदाबाद)	--	09 (दिल्ली) ****शून्य (मुंबई) शून्य (अहमदाबाद)
हाइड्रोमैट (भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) एवं एडब्ल्यूएस एवं एआरजी को छोडकर अन्य विभाग)	---	--	5071
विमानन	101	--	101
रेडिएशन स्टेशन	47	---	47

* स्थापित किए गए कुल 808 में से 335 पुराने हैं।
** स्थापित किए गए कुल 1382 में से 926 पुराने हैं।
***भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन के दो डॉप्लर मौसम रडार सहित।
****फर्म के साथ अनुबंध का नवीनीकरण नहीं किया गया है।

मॉडलिंग

फरवरी, 2024 के दौरान, हर सप्ताह गुरुवार को, बारिश, सतह के तापमान और हवाओं (पूर्ण क्षेत्रों और विसंगतियों) के लिए चार सप्ताह के लिए राष्ट्रीय मध्यम अवधि मौसम पूर्वानुमान केंद्र, युग्मित मॉडल आधारित विस्तृत पूर्वानुमान (ईआरपी) (i) आईएमडी के दीर्घ अवधि के पूर्वानुमान और कृषि-मौसम प्रभाग, (ii) भारतीय उष्णदेशीय मौसम विज्ञान संस्थान (IITM) ईआरपी समूह, (iii) अंतरिक्ष अनुप्रयोग केंद्र (SAC), (iv) डिफेंस जियो-इनफोर्मेटिक्स रिसर्च एस्टेब्लिशमेंट (DGRE), (v) भारतीय वायु सेना (IAF), (vi) भारतीय नौसेना, (vii)

जियोलॉजिकल सर्वे ऑफ इंडिया (GSI), (viii) नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ हाइड्रोलॉजी (NIH), (ix) आईएमडी के सभी प्रादेशिक मौसम केंद्र और (x) बंगाल इनिशिएटिव फॉर मल्टी-सेक्टोरल तकनीकी और आर्थिक सहयोग (बिम्सटेक) देशों के मौसम विभागों को रियल टाइम में प्रदान किए गए । इसके अतिरिक्त, हिमपात के पूर्वानुमान रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) तथा भारतीय वायु सेना को उपयोग के लिए उपलब्ध करवाए गए। माह के अंतिम गुरुवार अर्थात् 29 फरवरी, 2024 को मार्च, 2024 के लिए मान्य मासिक औसत पूर्वानुमान भी प्रयोक्ताओं के लिए शामिल किए गए थे।

मासिक मौसम सारांश (फरवरी 2024)

क) माह के दौरान मौसम संबंधी महत्वपूर्ण घटनाएं

पश्चिमी विक्षोभ(WD):

कुल 8 पश्चिमी विक्षोभ (30 जनवरी-2 फरवरी, 3-8 फरवरी, 12-19 फरवरी, 18-22 फरवरी, 22-24 फरवरी, 23-27 फरवरी, 26-28 फरवरी और 28 फरवरी-1 मार्च) आर जिनके कारण पश्चिमी हिमालय के राज्यों में 1-3 दिनों तक बारिश/बर्फबारी हुई। इन 8 पश्चिमी विक्षोभों में से 6 पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय थे जिनके कारण उत्तर और मध्य भारत के मैदानी भागों में बारिश और ओलावृष्टि हुई। फरवरी 2024 की दूसरी छमाही के दौरान अधिकांश दिनों में बंगाल की खाड़ी के ऊपर एंटी-साइक्लोनिक परिसंचरण से आने वाली पवनों के साथ मध्य भारत में निचले स्तर पर पूर्वी पवनों में एक उत्तर-दक्षिण द्रोणी देखी गई, जिसके कारण मध्य भारत और भारत के पूर्वी भागों में छिटपुट ओलावृष्टि के साथ बारिश और गरज के साथ तूफान आए।

पश्चिमी पवनों में द्रोणी:

पश्चिमी पवनों में द्रोणी और उत्तरी बंगाल की खाड़ी से नमी के प्रवेश के साथ निचले स्तर पर पवनों की सहायता के कारण, 22 फरवरी को सिक्किम तथा 22 और 24 फरवरी को अरुणाचल प्रदेश की ऊंची चोटियों पर अलग-अलग स्थानों पर भारी वर्षा/बर्फबारी; 23 फरवरी को असम और त्रिपुरा में भारी बारिश दर्ज की गई।

घना कोहरा/कम ऊंचाई पर मेघ:

फरवरी 2024 में, उत्तरी राजस्थान तथा पंजाब और हरियाणा के समीपवर्ती भागों में कुछ अलग-अलग स्थानों पर 4-6 दिनों तक कोहरे के साथ कुछ कम दिनों में घना कोहरा देखा गया। भारत के पूर्वी भागों में लगभग 5-7 दिनों तक घना कोहरा छाया रहा, जबकि ओडिशा में लगभग 5 दिनों तक घना कोहरा छाया रहा।

शीत लहर:

फरवरी 2024 में पहले 10 दिनों के दौरान पंजाब और हरियाणा में 4-5 दिनों तक शीत लहर की स्थिति बनी रही।

ख) वर्षा परिदृश्य:

फरवरी 2024 माह में, पूरे देश में 19.7 मिमी. वर्षा दर्ज की गई जो इसके दीर्घावधि औसत (एलपीए) 22.7 मिमी का 87% है।

ग) भारी वर्षा की घटनाएं

समयावधि जिसके लिए चेतावनी जारी की गई	भारी / बहुत भारीवर्षा की घटनाओं की संख्या (> 64.4 मिमी): 306
	64.4 मिमी से अधिक वर्षा के लिए प्रतिशत सुधार (% में)
दिन 1/24 घंटे	98
दिन 2/48 घंटे	98
दिन 3/72 घंटे	98

घ) तापमान परिदृश्य:

फरवरी-2024 माह में देश में समग्र रूप से औसत तापमान 20.98 डिग्री सेल्सियस था, जो कि सामान्य तापमान से 0.28 डिग्री सेल्सियस अधिक था। माह के दौरान देश के मैदानों में अधिकतम तापमान दिनांक 29 फरवरी, 2024 को अमरेली (सौराष्ट्र एवं कच्छ) में 39.8 डिग्री सेल्सियस, तथा न्यूनतम तापमान दिनांक 1 फरवरी, 2024 को फुरतसगंज (पूर्वी उत्तर प्रदेश) में 1 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

ङ) गरजने और ओलावृष्टि की घटनाएं:

माह के दौरान (माह की अंतिम तारीख को भारतीय मानक समय 08:30 बजे तक) गरजने और ओलावृष्टि की घटनाएं नीचे तालिका में दी गई हैं:

क्र.सं.	क्षेत्र	तूफान वाले दिन	ओलावृष्टि की घटनाएं	गरजने की घटनाएँ	धूल भरी आंधी
1.	दक्षिणी प्रायद्वीपीय भारत	0	शून्य	शून्य	शून्य
2.	उत्तरी पश्चिमी भारत	19	6 (1,4,5,13,20,21 फरवरी)	शून्य	शून्य
3.	पूर्वोत्तर भारत	7	शून्य	शून्य	शून्य
4.	पूर्वी भारत	12	3 (2,14,22 फरवरी)	शून्य	शून्य
5.	मध्य भारत	11	2 (12,14,27 फरवरी)	शून्य	शून्य
6.	पश्चिमी भारत	3	3 (27,28,29 फरवरी)	शून्य	शून्य

जारी किए गए बुलेटिन/ चेतावनी /प्रेस विज्ञप्तियां:

अखिल भारत मौसम बुलेटिन: 116, अखिल भारत में प्रतिकूल मौसम अनुमान और चेतावनियां: 116, संपूर्ण भारत में साप्ताहिक मौसम रिपोर्ट: 5, अगले 5 दिनों तक साइक्लोजेनेसिस पूर्वानुमान के साथ दैनिक उष्णकटिबंधीय मौसम पूर्वानुमान: 29, भारत मौसम विज्ञान विभाग (IMD) के उप-कार्यालयों की परामर्शिकाओं (6 घंटे पर) सहित अगले 5 दिनों के लिए उत्तर हिंद महासागर में मछुआरों के लिए दैनिक चेतावनियां: 116, अगले 12 घंटों के लिए भारतीय नौसेना हेतु फ्लीट पूर्वानुमान: 58, वैश्विक समुद्री आपदा सुरक्षा प्रणाली के तहत गहरे समुद्र में जहाजों के लिए अगले 36 घंटों के लिए बुलेटिन: 58, तत्काल पूर्वानुमान दिशानिर्देश के लिए विषम मौसम परामर्शिका बुलेटिन: 29, पश्चिमी और मध्य हिमालयी क्षेत्र के लिए पर्वतीय मौसम बुलेटिन: 58, उत्तर भारत के लिए जारी अखिल भारतीय बहु- संकट शीतकालीन मौसम चेतावनी बुलेटिन: 29, वर्तमान तापमान स्थिति और चेतावनी बुलेटिन: 29, माह के दौरान जारी प्रेस विज्ञप्ति: 39.

प्रकाशन और परिचालन रिपोर्टें:

1. जनवरी 2024 के महीने के लिए जलवायु सारांश जारी किया गया।
2. नवंबर 2023 माह के लिए क्लाइमेट डायग्नोस्टिक बुलेटिन को प्रकाशित कर वेबसाइट पर अपलोड किया गया।
3. माह फरवरी 2024 की अल - नीनो - दक्षिणी दोलन (ENSO) बुलेटिन तथा फरवरी से मई 2024 माह के लिए दक्षिण एशिया हेतु ऋतुनिष्ठ जलवायु पूर्वानुमान जारी किए गए
   (क्लिकलिंक:
   https://imdpune.gov.in/cmpg/Product/ENSO_Bulletin/ENSO_IOD_Update_Bulletin_02_24.pdf

4. (2011-2020), (2001-2010) अवधि के दौरान समुद्री जलवायु के सारांश चार्ट, तथा (1991-2020) अवधि के दौरान समुद्री जलवायु संबंधी एटलस प्रकशित की गई।

भूकंपविज्ञानीय प्रेक्षण नेटवर्क

प्रेक्षण का प्रकार	अब तक स्थापित	माह के दौरान डेटा रिपोर्टिंग
भूकंपी केन्द्र	156	121

भूकंप और सुनामी की निगरानी

भूकंप:
भारतीय क्षेत्र में 128 भूकंपों की निगरानी की गई, जिसमें से 3 भूकंपों की तीव्रता 5.0 से अधिक थी।

सुनामी:
इस माह के दौरान सुनामी उत्पन्न कर सकने की क्षमता वाला कोई भी समुद्र तलीय भूकंप (6 से अधिक तीव्रता का) नहीं आया।

समुद्र प्रेक्षण प्रणाली

प्लेटफॉर्म का प्रकार	माह के दौरान तक आरंभ किये गये	माह के दौरान प्राप्त डेटा
अर्गो फ्लोट्स	115	72
मूरेड उत्प्लव	19	13
टाइड गॉज	36	34
उच्च आवृत्ति (HF) राडार	10	8
एकॉस्टिक डॉपलर करंट प्रोफाइलर (ADCP)	20	17
सुनामी बुयो	7	4
वेव राइडर बुयो	16	13

समुद्र विज्ञान सेवाएँ

क्र.सं.	पूर्वानुमान के प्रकार	महीने के दौरान जारी की गई परामर्शिकाओं की संख्या
1.	एकीकृत संभावित मत्स्यन क्षेत्र (PFZ) परामर्शिका (समुद्र सतह का तापमान (SST), क्लोरोफिल, पवन)।	31
2.	टूना मछली पकड़ने की परामर्शिकाएं	20
3.	समुद्री दशा का पूर्वानुमान (OSF)-लहर, पवन, धाराएं, एसएसटी(समुद्र तल का तापमान), MLD (मिश्रित परत की गहराई) और D20 पूर्वानुमान	31
4.	रियल टाइम वैश्विक समुद्र विश्लेषण (दैनिक)	31
5.	कोरल विरंजन चेतावनी प्रणाली	10

आउटरीच एवं जागरुकता

1-3 फरवरी 2024 के दौरान इंकॉइस, हैदराबाद की मेजबानी में यूएन ओशन डिकेड कोलैबोरेटिव सेंटर फॉर दि इंडियन ओशन रीजन (DCC-IOR) ने अप्रैल 2024 में बरसीलोना, स्पेन में IOC-UNESCO द्वारा आयोजित की जाने वाली 2024 ओशन डिकेड कॉन्फ्रेंस के आधिकारिक पूर्ववर्ती कदम के रूप में इंडियन ओशन रीजनल डिकेड कॉन्फ्रेंस (IO-Con 2024) का आयोजन किया। इस नीतिगत सम्मेलन के दौरान, भारत और विदेश के तीन सौ से अधिक प्रतिनिधियों ने समर्पित सत्रों के माध्यम से समुद्री दशक चुनौतियों पर विचार मंथन किया।

- इंकॉइस, हैदराबाद में ITCOocean (यूनेस्को श्रेणी-II केंद्र) ने निम्नलिखित प्रशिक्षण की मेजबानी की:
    - विदेश मंत्रालय, भारत सरकार के ITEC (इंडियन टेक्निकल एंड इकोनॉमिक कॉपरेशन) द्वारा वित्त पोषित अब तक का प्रथम प्रशिक्षण। 'फिशरी ओशनोग्राफी फॉर दि ओशन डिकेड (F.O.O.D.) – 2024' नामक प्रशिक्षण दिनांक 18 जनवरी से 7 फरवरी 2024 तक 3 सप्ताह तक चला। इसमें भारत-प्रशांत क्षेत्र के 7 देशों से कुल 11 अन्तरराष्ट्रीय प्रतिभागियों ने प्रशिक्षण लिया।
    - एक POGO द्वारा वित्तपोषित अन्तरराष्ट्रीय प्रशिक्षण कार्यक्रम 'ओशन ऑब्जर्वेशन फॉर कोस्टल एप्लिकेशन' दिनांक 29 जनवरी से 7 फरवरी, 2024 तक आयोजित किया गया। इसमें ग्यारह (11) देशों से तीस (30) प्रतिभागियों (15 पुरूष, 15 महिला) ने सहभागिता की।
- इंकॉइस ने 5 से 7 फरवरी 2024 के दौरान इंटरगर्वनमेंटल कॉर्डिनेशन ग्रुप इंडियन ओशन सुनामी वार्निंग एंड मिटिगेशन सिस्टम (ICG/IOTWMS) संचालन समूह तथा कार्यकारी समूह का संचालन किया। इसमें हिंद महासागर क्षेत्र के 11 विदेशी (IOTWMS) प्रतिनिधियों समेत 20 अधिकारियों ने सहभागिता की।
- इंकॉइस ने :
    - भारत के पूर्वी एवं पश्चिमी तट, अंडमान एवं निकोबार दीपसमूहों के लिए एक सौ सात (107 ऊंची लहर / महातरंग महोर्मि चेतावनी / अशांत सागर चेताविनयां जारी की।
    - हिंद महासागर के लिए (i) संख्यात्मक समुद्री पवन पूर्वानुमान (पवन और भंवर) और (ii) वैश्विक संख्यात्मक समुद्री पूर्वानुमान (धारा, सामान्य तापमान, MLD, निरपेक्ष लवणता) के लिए क्षेत्रीय विशिष्ट मौसम पूर्वानुमान केंद्र (RSMC) के रूप में इकतीस (31) दिनों का पूर्वानुमान जारी किए।
    - इंकॉइस ने साउथ एशिया हाइड्रोमेट फोरम (SAHF), जिसका प्रशासन RIMES द्वारा किया जाता है, के लिए साप्ताहिक अपडेट्स प्रदान किए, जिसमें हिंद महासागर की समुद्री स्थिति

के संबंध में विगत सप्ताह की ब्रीफिंग तथा आगामी सप्ताह में पूर्वानुमान की जानकारी (लहर, पवन, धारा, तरंग, समुद्री सतह का तापमान) शामिल हैं।
    - इकत्तीस (31) दिनों की ऐल्गल ब्लूम सूचना सेवा जारी की गई तथा 7 दिवसीय अलर्ट सृजित किए।
- विभिन्न महाविद्यालयों / संस्थानों / विश्वविद्यालयों / विद्यालयों के विद्यार्थियों ने भारतीय राष्ट्रीय महासागर सूचना सेवा केन्द्र (इंकॉइस), एनसीएमआरडब्ल्यूफ तथा आईआईटीएम का दौरा किया।
- एनसीसीआर ने दिनांक 09 फरवरी 2024 को पुदुच्चेरी में संघ राज्य क्षेत्र पुदुच्चेरी के अधिकारियों के लिए "संघ राज्य क्षेत्र पुदुच्चेरी के लिए एमएसपी डैशबोर्ड" पर एक दिवसीय प्रशिक्षण संचालित किया। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में विभिन्न विभागों के लगभग 35 अधिकारियों ने सहभागिता की।
- आईआईटीएम ने 28 फरवरी 2024 को अपने परिसर में एक ओपेन डे आयोजित कर राष्ट्रीय विज्ञान दिवस मनाया।
- भारतीय वायु सेना के अधिकारियों ने दिनांक 22 फरवरी 2024 को संख्यात्मक मौसम मॉडलिंग तथा मौसम पूर्वानुमान हेतु सुपर कंप्यूटर के प्रयोग के बारे में एनसीएमआरडब्ल्यूएफ में एक प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लिया।
- स्कूल ऑफ नेवल ओशनोलॉजी एंड मीटियोरोलॉजी (SNOM), आईएनएस गरुड़, कोच्चि में दर्घकालिन मौसम विज्ञान पाठ्यक्रम (LMC) पूरा कर रहे पांच भारतीय नौसेना अधिकारियों के लिए DESK द्वारा आईआईटीएम में तीन दिवसीय प्रशिक्षण दौरें का आयोजन किया गया।
- भारत मौसम विज्ञान विभाग ने यूट्यूब, फेसबुक, ट्विटर एवं आईएमडी वेबसाइट के माध्यम से अंग्रेजी एवं हिन्दी भाषा में लगभग 5 मिनट अवधि के मौसम पूर्वानुमान सम्बन्धी वीडियो प्रतिदिन जारी किए।
- भारत मौसम विज्ञान विभाग द्वारा वेबसाइट एवं सोशल मीडिया (फेसबुक, ट्विटर, यूट्यूब आदि) के माध्यम से प्रत्येक गुरूवार को विस्तृत अवधि पूर्वानुमान (दो सप्ताह तक का) सम्बन्धी साप्ताहिक वीडियो जारी किया गया है।
- भारत मौसम विज्ञान विभाग के क्षेत्रीय कार्यालयों द्वारा नियमित रूप से पूर्वानुमान वीडियो क्षेत्रीय भाषाओं में जारी किए गए थे।
- भारत मौसम विज्ञान विभाग द्वारा देशभर के अंदर पूर्वानुमानकर्ताओं द्वारा दैनिक साक्षात्कार दिया गया।
- ग्राफिक युक्त बुलेटिन एवं चेतावनियां फेसबुक, ट्विटर, इंस्ट्राग्राफ, यूट्यूब सहित सोशल मीडिया एवं आईएमडी ब्लॉग पेज के माध्यम से भी जारी किए गए।

प्रकाशन

विषय	**प्रकाशन**			**पीएचडी**		
	अप्रैल 2023 – जनवरी 2024	**फरवरी 2024**	**कुल**	**अप्रैल 2023 – जनवरी 2024**	**फरवरी 2024**	**कुल**
वायुमण्डलीय विज्ञान	140	13	153	12	0	12
समुद्री विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी	90	7	97	4	0	4
ध्रुवीय विज्ञान	27	1	28	0	1	1
भूविज्ञान एवं संसाधन	51	5	56	5	0	5
कुल	**308**	**26**	**334**	**21**	**1**	**22**

माह के दौरान समुद्री अनुसंधान पोतों का उपयोग

जलपोत	समुद्र पर दिन / उपयोग	अनुरक्षण / निरीक्षण / वैज्ञानिक लॉजिस्टिक / क्रूज तैयारी	क्रूज की संख्या
सागर निधि	16	13	1
सागर मंजूषा	17	12	2
सागर तारा	20	9	2
सागर अन्वेषिका	15	14	2
सागर कन्या	0	29	0
सागर सम्पदा	16	13	1

अनुलग्नक II

एमओईएस/20/01/2017-स्था. (ई. फाइल 7107)
भारत सरकार
पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय

नई दिल्ली, दिनांक: 5 मार्च, 2024

प्रमाण पत्र

(माह फरवरी 2024 के लिए)

प्रमाणित किया जाता है कि पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय से संबंधित सभी पदों के संबंध में विस्तृत स्थिति फरवरी,2024 माह के अंतिम दिन एवीएमएस पर अपडेट कर दी गई है। स्थिति का सार विवरण नीचे दिया गया है:-

(क) एवीएमएस में दर्ज किए जाने हेतु अपेक्षित पदों की कुल संख्या	-13
(ख) आज की तारीख की स्थिति के अनुसार भरे हुए पदों की संख्या	-12
(सेंट्रल स्टाफिंग स्कीम के अंतर्गत नियुक्त 01 उप सचिव समेत)	
(ग) आज की तारीख की स्थिति के अनुसार पूर्णत: रिक्त पदों की संख्या	-01
(घ) आगामी 6 माह में रिक्त होने वाले पदों की संख्या	-02

(धरकत आर. लुइकेंग)
उप सचिव
dharkat@nic.in